CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ORISSA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.30; No.2/2009 ISSN 0972-5865 April–June 2009

DG, ICAR Releases CRRI Technology Bulletins

DR Mangala Rai, Secretary, DARE and Director-General, ICAR, released two CRRI Technology Bulletins namely "Production Technology for Deepwater Rice" and "Integrated Management of Rice Storage Insects" in English and Hindi at the 44th Annual Rice Group Meetings held at the Directorate of Rice Research (DRR), ICAR, Hyderabad on 10 May 2009.❄

Courtesy: DRR, Hyderabad

Dr Mangala Rai (fourth from right) releases the CRRI Technology Bulletins.

महानिदेशक द्वारा सी आर आर आई तकनीकी बुलेटिनों का विमोचन

डॉ. मंगला राय, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने १० मई २००९ को चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में ४४वीं वार्षिक चावल समूह बैठक के दौरान हिंदी एवं अंग्रेजी में 'गहराजल चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी' तथा 'भंडारित धान कीटों का समन्वित प्रबंधन' नामक दो सी आर आर आई तकनीकी बुलेटिनों का विमोचन किया।❄

DDG (AE) Inaugurates Farmers' Hostel in KVK, Koderma

AFTER inaugurating the Farmers' Hostel at the CRRI Krishi Vigyan Kendra at Jainagar in Koderma, on 23 May 2009, Dr K.D. Kokate, Deputy Director-General (Agricultural Extension) said "Development of infrastructural needs for the visiting farmers is important to enable them to imbibe the newer technologies that are being given to them. It is important that the KVK evolves a real time functional method of feedbacks to refine newer technologies." Dr A.K. Singh, Zonal Project Director, Zone II and Dr R.P.S. Ratan, Director (Extension), Birsa Agricultural University, Ranchi attended the function. Dr T.K. Adhya welcomed the visitors. More than 250 farmers participated in the Kisan Ghosthi. Dr R.K. Singh, Officer-in-charge, KVK, Koderma, coordinated the programme.❄

KVK, Koderma

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में उप महानिदेशक द्वारा किसान आवास गृह का उद्घाटन

सी आर आर आई कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा के जयनगर में किसान आवास गृह का उद्घाटन करते हुए उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. के.डी. कोकटे ने कहा कि 'आगंतुक किसानों लिए बुनियादी आवश्यकताओं का विकास महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें प्रदान की जा रही नई प्रौद्योगिकियों को अंतर्ग्रहण करने में मदद मिलती है। कृषि विज्ञान केंद्र के लिए यह महत्वपूर्ण है कि नई प्रौद्योगिकियों में सुधार लाने के लिए पुनर्निवेशन की एक वास्तविक प्रकार्यात्मक पद्धति का विकास करे'। इस समारोह में क्षेत्र-II के क्षेत्रीय परियोजना निदेशक डॉ.ए.के.सिंह तथा बीएयू, रांची के विस्तार के निदेशक डॉ. आर.पी.एस रतन उपस्थित थे। डॉ. टी.के. अध्या ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें २५० से अधिक किसानों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा के प्रभारी अधिकारी डॉ. आर के सिंह ने सभी कार्यक्रमों का समन्वय किया।❄

CRRI Foundation Day Celebrated

CHANGE in the climate is affecting the scheduled planting of rice and other crops during *kharif* and *rabi*. The scientists will need to reorient their research to tackle these challenges so that the farmer is able to grow a crop that is appropriate for the prevailing conditions" said Dr D.P. Ray, Vice-Chancellor, OUAT, Bhubaneswar during his address at the 63rd CRRI Foundation Day in Cuttack on 2 May 2009. Dr T.K. Adhya, Director spoke on the progress in research at the CRRI. Drs A.E. Eknath, Director, CIFA, Bhubaneswar and Krishna Srinath, Director, DRWA, Bhubaneswar and farmers participated. Dr D.P. Ray felicitated the progressive farmers. He also gave the CRRI longest-serving Worker Award in different categories to personnel from the CRRI. Dr D.P. Ray also released four CRRI Technology Bulletins. In the evening Dr T.K. Adhya gave the CRRI Best Worker Award to personnel from different categories that was followed by a cultural programme.

Dr D.P. Ray gave away the award to a progressive farmer (above) and to Dr Gouri Padhi (below).

Recognition of Longest-serving Staff Members

Scientist: Dr Gouri Padhi, Principal Scientist; *Technical:* Shri Dhirendra Kumar Das, T-4; *Administrative:* Shri Surendranath Behera, PA; *Supporting:* Shri Mangal Singh, SSG-IV.

Dr T.K. Adhya gave away the award to Dr O.N. Singh (above) and to Shri A.V.G Sharma (below).

Best Worker Award

Principal Scientist: Dr O.N. Singh; *Senior Scientist:* Dr A. Ghosh; *Scientist (SS):* Dr N. Bhakta; *Technical (T-6 and above):* Shri A.V.G. Sharma; *Technical (T-4 and T-5):* Dr P.K. Sahu; *AAO:* Shri P. Nayak; *Steno:* Shri N. Mahabhoi; *Assistant:* Shri S.K. Behera; *UDC:* Shri D.K. Parida; *LDC:* Shri M. Sahoo.❄

B. Behera

सी आर आर आई स्थापना दिवस आयोजित

सी आर आर आई की ६३वीं स्थापना दिवस कटक में २ मई २००९ को आयोजित किया गया। इस समारोह में ओयूएटी, भुवनेश्वर के कुलपति डॉ. डी.पी.राय ने अपने अभिभाषण में कहा कि जलवायु में हुए परिवर्तन के कारण *खरीफ* एवं *रबी* के दौरान चावल तथा अन्य फसलों की निर्धारित रोपाई प्रभावित हो रही है। वैज्ञानिकों से अपेक्षा है कि वे इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने अनुसंधान को उन्नतशील बनाएं ताकि मौजूदा परिस्थितियों में किसान एक उपयुक्त फसल की खेती कर सके। निदेशक, डॉ. टी. के. अध्या ने सी आर आर आई के अनुसंधान की प्रगति पर कहा। इस स्थापना दिवस समारोह में डीआरडब्ल्यूए, भुवनेश्वर के निदेशक डॉ. कृष्णा श्रीनाथ तथा सीफा, भुवनेश्वर के निदेशक डॉ.ए. ई. एकनाथ तथा किसानों ने भाग लिया। डॉ.डी.पी. राय ने प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत किया। उन्होंने सी आर आर आई में विभिन्न वर्गों के अंतर्गत सर्वाधिक सेवारत कार्मिक को पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने चार सी आर आर आई तकनीकी बुलेटिनों का विमोचन भी किया। सभा के अंत में डॉ. टी.के. अध्या ने सी आर आर आई श्रेष्ठ कार्यकर्ता पुरस्कार प्रदान किया। इसके बाद शाम में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वाधिक सेवारत स्टाफ सदस्यों को मान्यता

वैज्ञानिकः डॉ.गौरी पाढ़ी, प्रधान वैज्ञानिक; *तकनीकीः* श्री धीरेंद्र कुमार दास, टी-४; *प्रशासनिकः* श्री सुरेंद्रनाथ बेहेरा, निजी सचिव; *सहायक वर्गः* श्री मंगल सिंह, एस एस ग्रेड-IV।

श्रेष्ठ कार्यकर्ता पुरस्कार

प्रधान वैज्ञानिकः डॉ.ओ.एन. सिंह; *वरिष्ठ वैज्ञानिकः* डॉ.ए. घोष; *वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान):* डॉ.एन. भक्त; *तकनीकी (टी-६ तथा उसके ऊपर):* श्री ए.वी.जी. शर्मा; *तकनीकी (टी-४ तथा टी-५):* डा. पी.के. साहु ; *सहायक प्रशासनिक अधिकारीः* श्री पी.सी. नायक; *आशुलिपिकः* श्री एन. महाभोई; *सहायकः* श्री एस. के. बेहेरा; *अवर श्रेणी लिपिकः* श्री डी.के. परिडा; *निम्न श्रेणी लिपिकः* श्री एम. साहु।❄

Left: Farmers visit the CRRI Oryza museum. Right: Children execute an item in the cultural programme.

Swarna *Sub-1* Released for Cultivation

J.N. Reddy

Seen in the foreground is rice Swarna *Sub-1* with Swarna in the background in a farmers' field in Orissa.

RICE Swarna *Sub-1* (CR 2539-1; IET 20266) developed from Swarna*3/IR 49830-7-1-2-3 at the International Rice Research Institute (IRRI), the Philippines by marker-assisted backcross breeding, and further developed and tested by the CRRI, Cuttack under the ICAR-IRRI collaborative programme "From Genes to Farmers' Fields: Enhancing and Stabilizing Productivity of Rice in Submergence-prone Environments," in farmers' field conditions in flood-prone situations for three years was released for cultivation in shallow lowland areas of coastal Orissa by the Orissa State Seed Sub-Committee of Agricultural Crops at its meeting on 20 Apr 2009 held in Bhubaneswar. Swarna *Sub-1* with all qualities of rice Swarna yields 5 to 5.5 t/ha in 140 to 145 days. It is tolerant to complete submergence between 15 and 17 days, and is also suitable for late planting with aged seedlings. Swarna *Sub-1* was approved for notification by the Central Sub-Committee on Crop Standards, Notification and Release of Varieties at its 53rd meeting held in New Delhi on 26 Jun 2009.

Refer *CRRI Newsletter*, October–December 2008 (Vol.29; No.4/2008) for a write-up on "Will *Sub-1* Rescue Rice from Submergence? or browse at the CRRI website at http://www.crri.nic.in/.❄

खेती के लिए स्वर्णा *सब-१* विमोचित

आई सी ए आर-आई आर आर आई सहयोगात्मक कार्यक्रम 'जीनों से किसानों के खेतों तकः जल निमग्नता-प्रवण पर्यावरणों में चावल उत्पादकता में वृद्धि एवं स्थिरता' के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपाइन्स में चिन्हक-सहायतित बैकक्रॉस प्रजनन द्वारा स्वर्णा*३/आई आर ४९८३०-७-१-२-३ से विकसित एवं केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक द्वारा पुनः परीक्षित तथा किसानों के बाढ़-प्रवण परिस्थिति खेतों में तीन वर्षों तक स्वर्णा *सब-१* चावल (सी आर २५३९-१आई ई टी २०२६६) का परीक्षण किया गया तथा भुवनेश्वर में २० अप्रैल २००९ को आयोजित उड़ीसा राज्य कृषि फसल बीज उप-समिति की बैठक में उड़ीसा के उथली नीची जमीन क्षेत्रों में खेती के लिए इसका विमोचन किया गया। स्वर्णा *सब-१* में स्वर्णा चावल के सभी गुण मौजूद हैं तथा १४० से १४५ दिनों में इससे ५-५.५/है. की उपज प्राप्त होती है। यह १५ से १७ दिनों के भीतर संपूर्ण जल निमग्नता के प्रति सहिष्णु है तथा इसके अधिक दिनों के बेहन विलंब रोपाई के लिए भी उपयुक्त है। फसल मानक, अधिसूचना तथा किस्म विमोचन के लिए गठित केंद्रीय उप-समिति द्वारा अधिसूचित करने के लिए २६ जून २००९ को नई दिल्ली में संपन्न ५३वीं बैठक में स्वर्णा *सब-१* को अनुमोदित किया गया। 'क्या चावल को *सब-१* से निमग्नमुक्त किया जा सकता है' पर एक विवरण लिखने के लिए *सी आर आर आई न्यूजलेटर*, अक्टूबर-दिसंबर २००८ (भाग २९ सं. ४/२००८) संस्करण का संदर्भ लें या http://www.crri.nic.in/ पर सी आर आर आई वेबसाइट देखें।❄

Sahbhagi Dhan Identified for Release

RICE Sahbhagi Dhan (IR 74371-70-1-1-CRR-1; IET 19576) was identified for release by the Variety Identification Committee at its meeting held on 10 May 2009 at ANGRAU, Hyderabad for cultivation in drought affected areas of Jharkhand and Orissa. Developed at the IRRI, the Philippines from IR 55419-04*2/Way Rarem Sahbhagi Dhan was tested by the CRRI-RRS, Hazaribag. Drought-tolerant Sahbhagi Dhan yields 3.8 to 4.5 t/ha in 68 days. It is resistant to leaf blast and moderately resistant to brown spot and sheath rot, and is moderately resistant to stem borer and leaf folder. It has good cooking quality and has long-bold grain.❄

Courtesy: IRRI, the Philippines

विमोचन के लिए सहभागी धान की पहचान

झारखंड तथा उड़ीसा के सूखा आक्रांत क्षेत्रों में खेती के लिए एएनजीआरएयू, हैदराबाद में किस्म पहचान समिति द्वारा १० मई २००९ को आयोजित अपनी बैठक में विमोचन के लिए सहभागी धान (आईआर ७४३७१-७०-१-१-सी आर आर-१ आईईटी) की पहचान की गई। आई आर आर आई, फिलीपाइन्स में आईआर ५५ ४१९-०४*२/वे रारेम से विकसित सहभागी धान का हजारीबाग के उपकेंद्र में परीक्षण किया गया। सूखा-सहिष्णु सहभागी धान ६८ दिनों में ३.८ से ४.५ ट/है की उपज देती है। यह पत्ता प्रध्वंस प्रतिरोधी है तथा मध्यम रूप से भूरा धब्बा एवं आच्छद गलन प्रतिरोधी है और तना छेदक एवं पत्ता मोड़क के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इसके पकने का गुण अच्छा है एवं इसका लंबा-मोटा दाना है।❄

Director, CRRI Reviews CRRI-RRS, Gerua

DR T.K. Adhya with Shri S.K. Sinha, SAO evaluated the infrastructural needs of the CRRI Regional Station (CRRI-RRS) at Gerua in Assam on 8 and 9 Jun 2009. Dr Adhya also interacted with officials of the State Department of Agriculture.❄

CRRI-RRS Gerua

सी आर आर आई के निदेशक द्वारा गेरुआ की समीक्षा

डॉ. टी.के. अध्या ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री एस.के. सिन्हा के साथ ८-९ जून २००९ के दौरान असम के गेरुआ स्थित सी आर आर आई क्षेत्रीय उपकेंद्र के बुनियादी आवश्यकताओं की समीक्षा की। डॉ. अध्या ने राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ भी विचार-विमर्श किया।❄

CIC Meeting Finalises Work Plan

DR T.K. Adhya chaired the Consortium Implementation Committee (CIC) meeting of the National Agriculture Innovation Project (NAIP), Component-4 (2031) "Soil Organic Carbon Dynamics vis-a-vis Anticipatory Climatic Changes and Crop Adaptation Strategies" at CRRI, Cuttack on 20 Jun 2009. The meeting was attended by Drs P. Bhattacharyya, Consortium PI, K.S. Rao, Co-PI and Head, Division of Crop Production, CRRI, M.C. Manna, Head, Soil Biology, IISS, ICAR, Bhopal, S.S. Pal, Principal Scientist, Project Directorate for Cropping Systems Research (PDCSR), Meerut, R.K. Bajpai, Associate Professor, IGKVV, Raipur, K. Chendrayan, Professor, TNAU, D.R.D. Srinivas, Senior Scientist, APRRI and RARS, Maruteru, A. Pandit, Member, CRRI, Shri S.K. Sinha, SAO, CRRI, and Shri P.C. Naik, FAO (I/c), CRRI. The meeting reviewed the status of implementation of the project in the respective centres. After detailed discussion on methodologies a programme of work for implementation was prepared.❄

सी आई सी बैठक आयोजित

डॉ.टी.के. अध्या ने २० जून २००९ को सी आर आर आई, कटक में 'मृदा जैविक कार्बन गतिकी की तुलना में प्रत्याशी जलवायु परिवर्तन एवं फसल अनुकूलन रणनीतिया' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेष परियोजना, घटक ४(२०३१) के संकाय कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में डॉ.पी. भट्टाचार्य, संकाय प्रधान अन्वेषक, डॉ.के.एस. राव, सह-प्रधान अन्वेषक तथा अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, सी आर आर आई, डॉ. एम.सी. मन्ना, अध्यक्ष मृदा जीवविज्ञान, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल, डॉ.एस.एस. पाल, प्रधान वैज्ञानिक, फसल प्रणाली अनुसंधान निदेशालय, मेरठ, डॉ.आर.के. वाजपेयी, सहायक, प्रोफेसर, आईजीकेवीवी, रायपुर डॉ.के. चेन्द्रायन, प्रोफेसर, टीएनएयू, डॉ.डी.आर.डी. श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ए पी आर आर आई तथा आर ए आर एस, मारुतेरु, डॉ.ए. पंडित सदस्य, सी आर आर आई, कटक, श्री एस के सिन्हा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सी आर आर आई तथा श्री पी.सी. नायक, वित्त एवं लेखा अधिकारी (प्रभारी), सी आर आर आई उपस्थित थे। इस बैठक में विभिन्न केंद्रों की परियोजना के कार्यान्वयन की स्थिति पर समीक्षा की गई। पद्धतियों पर विस्तार में विचार-विमर्श करने के बाद कार्यान्वयन के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया गया।❄

SRC Meet Held

THE 24th meeting of the Staff Research Council (SRC) was held from 18 to 21 May 2009 under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya. Results of experiments in *kharif* 2008 were discussed. A programme of work for 2009-10 was finalized.❄

एस आर सी बैठक आयोजित

डॉ.टी.के. अध्या की अध्यक्षता में १८ से २१ मई २००९ के दौरान स्टाफ अनुसंधान परिषद की २४वीं बैठक संपन्न हुई। वर्ष २००८ के *खरीफ* के लिए किए गए परीक्षणों के परिणामों पर विचार-विमर्श किया गया। वर्ष २००९-२०१० के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।❄

Dr Seetharaman Visits Gerua

DR R. Seetharaman, Director (retired), CRRI, Cuttack visited the CRRI Regional Station (CRRI-RRS) at Gerua in Assam. He went through the various facilities at the Station and advised for initiating location specific crop improvement work as per the mandate of the station.❄

CRRI-RRS Gerua

डॉ. सीतारमण का गेरुआ केंद्र का परिदर्शन

डॉ. सीतारमण, निदेशक (सेवानिवृत्त), सी आर आर आई, कटक ने सी आर आर आई क्षेत्रीय केंद्र आर आर एल आर आर एस, असम स्थित गेरुआ केंद्र का परिदर्शन किया। उन्होंने केंद्र के विभिन्न सुविधाओं को देखा तथा केंद्र के अधिदेश के अनुसार स्थान विशिष्ट फसल सुधार आरंभ करने की सलाह दी।❄

Courtesy: IRRI, the Philippines

CURE Meeting Reviews Progress

THE objectives of the 8th Annual Meeting of the CURE Steering Committee at Hanoi, Vietnam from 27 to 29 May 2009 was to Assess the progress in rice research in unfavourable ecosystems in terms of crop improvement, natural resource management and outscaling, and to review potential future directions, initiatives, partnerships and linkages for the unfavourable rice environments. Drs T.K. Adhya, Director, CRRI, P.K. Sinha, Principal Scientist and OIC, CRRI CRURRS, Hazaribag, M. Variar, Principal Scientist, CRRI CRURRS, Hazaribag and D.P. Singh, Principal Scientist, CRRI, Cuttack attended the meeting besides CURE Steering Committee members, Scientists from Vietnam and six countries, Representatives of the International Fund for Agricultural Development (IFAD) and Australian Centre for International Agricultural Research (ACIAR) and scientists from the IRRI, the Philippines. CURE focuses on rice farming systems where low and unstable yields are prevalent and is guided by a Steering Committee composed of representatives from the National Agriculture Research and Extension Systems (NARES) from member countries.❄

क्योर बैठक में प्रगति की समीक्षा

क्योर विषय-निर्वाचन समिति की ८वीं वार्षिक बैठक २७ से २९ मई २००९ के दौरान हानोई, वियतनाम में संपन्न हुई। इसका लक्ष्य फसल सुधार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं आउटस्केलिंग के पहलूओं पर प्रतिकूल पारितंत्रों में चावल अनुसंधान की प्रगति का मूल्यांकन तथा प्रतिकूल चावल पर्यावरणों के लिए संभावित भावी दिशाएं, पहल, साझेदारी एवं संबंद्धता की समीक्षा करना था। इस बैठक में डॉ.टी.के. अध्या, निदेशक, सी आर आर आई, डॉ.पी.के. सिन्हा, प्रधान वैज्ञानिक तथा प्रभारी अधिकारी, सी आर यू आर आर एस, हजारीबाग, डॉ.एम. वरियर, प्रधान वैज्ञानिक, सी आर यू आर आर एस, हजारीबाग तथा डॉ.डी.पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सी आर आर आई कटक भाग लिये। इसके अलावा क्योर विषय निर्वाचन समिति के सदस्यगण, वियतनाम एवं छः देशों के वैज्ञानिकगण, अंतराष्ट्रीय कृषि विकास निधि के प्रतिनिधिगण, अस्ट्रालियाई अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के प्रतिनिधिगण तथा आई आर आर आई, फिलीपाइन्स के वैज्ञानिकगण ने इसमें भाग लिया। क्योर उन चावल खेती प्रणालियों पर प्रकाश डालता है जहां उपज कम एवं अस्थिर है तथा सदस्य देशों से राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं विस्तार प्रणालियों के प्रतिनिधियों से गठित एक विषय-निर्वाचन समिति के मार्गदर्शन पर कार्य करती है।❄

CRRI Wins Kabaddi Championship

THE CRRI kabaddi team won the 57th Senior Kabaddi Championship 2009, defeating the Orissa Police kabaddi team during 28–31 May 2009 at Bhubaneswar. The Championship was organized by the Bhubaneswar Athletic Association and was hosted by the Young Sporting Club, Bhubaneswar. The awards of Best Catcher, Best Raider in the semifinals and finals, and the Man of the Tournament were bagged by CRRI. The CRRI kabaddi team won the Championship consecutively for the second year.❄

सी आर आर आई कबड्डी चैंपियन

सी आर आर आई के कबड्डी दल ने २८-३१ मई २००९ के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित ५७वां वरिष्ठ कबड्डी चैंपियनशिप २००९ में उड़ीसा पुलिस के कबड्डी दल को हराकर जीत हासिल की। इस चैंपियनशिप का आयोजन भुवनेश्वर एथलेटिक एसोशिएशन ने किया था तथा यंग स्पोर्टिंग क्लब, भुवनेश्वर ने मेजबानी की थी। सेमिफाइनल एवं फाइनल में सी आर आर आई को श्रेष्ठ पकड़ने वाला खिलाड़ी, श्रेष्ठ धावा बोलने वाला खिलाड़ी का खिताब मिला तथा इस खेल-प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का खिताब भी सी आर आर आई को मिला। सी आर आर आई के कबड्डी दल ने लगातार द्वितीय वर्ष भी चैंपियनशिप जीता।❄

B. Behera

Ravi Viswanathan

Left: Farmers' in Pubapada village show the blast-affected rice. Centre: A close-up of the blast infection.
Right: The rescued rice in the field after spraying of the bael extract as per the recommendations of the CRRI.

CRRI Botanical Technology Rescues Rice from Blast in Farmers' Field

APPLICATION of extract from bael (*Aegle marmelos*) in farmers' field in village Pubapada of Jagatsinghpur district of Orissa on rice Khandagiri, Lalat and Naveen reduced the percentage of blast from 70% to negligible levels. Farmers' in village Simlihan of Cuttack district also sprayed extracts from either bael or tulsi (*Ocimum sanctum*) on rice Lalat and Khandagiri. The incidence of infection reduced from 70% to negligible levels. Farmers' who did not spray the extract lost their crop to blast. The bael / tulsi technology was evolved at the CRRI, Cuttack and has been implemented successfully in many farmers' field.❄

सी आर आर आई के वानस्पतिक प्रौद्योगिकी से किसानों के खेतों में प्रध्वंस का निदान

उड़ीसा के जगतसिंहपुर जिले के पुबपड़ा गांव के किसानों के खेतों में खंडगिरि, ललाट तथा नवीन चावल किस्मों में बेल (*एगल मार्मेलोस*) निचोड़ का प्रयोग करने पर प्रध्वंस ७०% से २-३% तक कम हुआ। कटक जिले के सिमलीहान गांव के किसानों ने ललाट तथा खंडागिरि चावल में बेल या तुलसी (*ओसीमम सैंक्टम*) निचोड़ का छिड़काव किया जिससे प्रध्वंस रोग ६०-७०% से २-३% तक कम हो गया। जिन दोनों गांवों के किसानों ने छिड़काव नहीं किया उनकी फसल नष्ट हो गई। बेल/तुलसी प्रौद्योगिकी सी आर आर आई कटक में विकसित की गई है तथा कई किसानों के खेतों में सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया है।❄

Left: Photograph shows the untreated rice in a farmers' field in village Simlihan.
Right: The rice crop in the field after spraying of the bael/tulsi extract as per the recommendations of the CRRI.

B. Behera

Dr Shastry Speaks on his CRRI Experience

INTERNATIONALLY renowned rice scientist Dr S.V.S. Shastry visited CRRI, Cuttack on 8 Apr 2009. He delivered a talk on "My Association with CRRI." He said "The progress at the CRRI has been very rapid taking into account the needs of the farmer. Research has to be further reoriented to tackle the vagaries of the climate, non-availability of water and land for rice cultivation."❄

B. Behera

डॉ. शात्री का सी आर आर आई अनुभव

प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय चावल वैज्ञानिक डॉ.एस.वी.एस. शात्री ने ८ अप्रैल २००९ को सीआरआरआई, कटक का परिदर्शन किया। उन्होंने 'सीआरआरआई के साथ मेरा संबंध' पर अपने वक्तव्य में कहा कि 'किसानों की आवश्यकताओं के लिए सीआरआर आई ने काफी प्रगति की है। चावल की खेती में जलवायु में उतार-चढ़ाव, जल एवं भूमि की अनुपलबधता की समस्याओं का सामना करने के लिए अनुसंधान को आगे पुनः उन्नतशील बनाना होगा।'❄

Workshop Held

RECENT Advancements in Rice Research" was the Workshop sponsored by the National Food Security Mission, Orissa, and organized by the Directorate of Agriculture and Food Production, Orissa and the Institute on Management of Agricultural Extension (IMAGE), Bhubaneswar at the CRRI, Cuttack during 4–5 May 2009. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI, chaired the Workshop. The delegates were Dr U.S. Singh, South-Asia Co-ordinator, IRRI, New Delhi, Dr A.K. Padhee, I.A.S., Director of Agriculture and Food Production, Government of Orissa, Dr B.C. Giri, Joint Director of Agriculture (SP&C), Government of Orissa, and District Agriculture Officers and scientists from the CRRI, Cuttack.❄

B. Behera

Top: Dr A.K. Padhee (left) and Dr T.K. Adhya addressed the participants.

कार्यशाला आयोजित

सी आर आर आई, कटक में ४-५ मई २००९ के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, उड़ीसा द्वारा प्रायोजित एवं कृषि एवं खाद्य उत्पादन निदेशालय, उड़ीसा तथा ईमेज, भुवनेश्वर द्वारा 'चावल अनुसंधान में नवीनतम प्रगतियां' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ.टी.के. अध्या, निदेशक, सी आर आई ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। इसमें डॉ.यू.एस. सिंह, दक्षिण-एशिया सह-समन्वयक, आई आर आर आई, नई, दिल्ली, डॉ. ए.के. पाढ़ी, आई ए एस, निदेशक, कृषि एवं खाद्य उत्पादन, उड़ीसा सरकार, डॉ. बी.सी. गिरि संयुक्त निदेशक, कृषि (एस पी एवं सी) उड़ीसा सरकार तथा जिला कृषि अधिकारीगण एवं सी आर आर आई, कटक से वैज्ञानिकगण उपस्थित थे।❄

The delegates have a look at the rice lines in the transgenic greenhouse (left) and visit the CRRI Oryza museum (right).

B. Behera

Diagnostic Equipment Operational at CRRI Dispensary

AT the CRRI Dispensary in Cuttack two diagnostic equipments have been made operational. The clinical Chemistry Analyzer can analyse a human blood sample for several parameters. The urine analyzer can read a urine sample for various parameters. These equipments will enhance the health facilities to the CRRI staff.❄

B. Behera

B. Behera

सी आर आर आई में चिकित्सा नैदानिक उपकरणों का प्रचालन

सी आर आर आई, कटक के चिकित्सालय में दो नैदानिक उपकरणों का संचालन आरंभ किया गया है। क्लिनिकल केमिस्ट्री एनालाइजर से मानव रक्त नमूने को कई पैरामीटरों पर विश्लेषण किया जा सकता है। मूत्र विश्लेषक से मूत्र नमूने के विभिन्न पैरामीटरों के लिए परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इन उपकरणों से सी आर आर आई के कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुविधाओं में उन्नति होगी।❄

Sow Groundnut TAG 24 on 4 Dec for Maximum Yield

Sanjoy Saha

RESULTS of experiments at the CRRI, Cuttack showed that growing groundnut TAG 24 on 4 Dec in a rice-based cropping system gave the highest yield of 2 t/ha with a heat-use efficiency of 1.57. The yield of the groundnut crop declined by 19% (1.6 t/ha) in the crop sown on 24 Dec. It again showed an increasing trend during the first fortnight of Jan (1.8 t/ha with heat-use efficiency of 1.23 in the crop sown on 13 Jan) and declined thereafter (1.3 t/ha with heat-use efficiency of 0.88 in the crop sown on 2 Feb). The atmospheric temperatures were 29°C (maximum) and 18°C (minimum) on 4 Dec, 26°C (maximum) and 15.9°C (minimum) on 24 Dec, and 32.6°C (maximum) and 20.2°C on 13 Jan. For optimum yield, sow groundnut early, after harvest of *kharif* rice.❄

अधिकतम उपज के लिए ४ दिसंबर को मूंगफली टीएजी २४ की बुआई कीजिए

सी आर आर आई, कटक के परीक्षणों के परिणामों से पता चला है कि एक चावल-आधारित फसल प्रणाली में ४ दिसंबर को १.५७ की ताप-प्रयोग क्षमता सहित मूंगफली टीएजी २४ की खेती प्रारंभ करने पर २ ट./है. की सर्वाधिक उपज मिली। २४ दिसंबर को बुआई की गई मूंगफली फसल की उपज में १९% (१.५ ट/है) की कमी हुई। जनवरी के प्रथम पखवाड़े में इसकी उपज (१३ जनवरी को १.२३ की ताप-प्रयोग क्षमता सहित बुआई से १.८ ट./है. की फसल) में फिर वृद्धि हुई तथा उसके बाद (२ फरवरी को ०.८८ की ताप-प्रयोग क्षमता सहित बुआई से १.३ ट./है. की फसल) इसमें कमी हुई। वायुमंडलीय तापमान ४ दिसंबर को २९° सेल्सियस (अधिकतम) तथा १८°सेल्सियस (न्यूनतम), २४ दिसंबर को २६° सेल्सियस (अधिकतम) तथा १५.९° सेल्सियस (न्यूनतम) तथा १३ जनवरी को ३२.६° सेल्सियस (अधिकतम) तथा २०.२° सेल्सियस (न्यूनतम) था। मूंगफली से अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए *खरीफ* चावल के कटाई के तुरंत बाद मूंगफली की शीघ्र बुआई कीजिए।❄

Frontline Demonstration

FRONTLINE demonstration (FLD) was conducted by the Krishi Vigyan Kendra (KVK), Santhapur on poultry chick RIR in adopted villages of Barang, Gopalpur, Jagatpur and Keshpur. More than 238 chicks that were 41-days old were given to a total of 25 farmers/farmwomen.❄

KVK, Santhapur

A farmer receives poultry chick RIR as part of the FLD programme.

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनी

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर द्वारा अपनाए गए गांवों बारंग, गोपालपुर, जगतपुर तथा केशपुर में कुक्कुट चूजा आरआईआर पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। २५ किसानों/महिला किसानों को ४१ दिनों की आयु वाली २३८ से अधिक चूजें वितरित की गयीं।❄

Training Programmes

CRRI, Cuttack

A farmer training-cum-interaction meeting on water saving technologies in irrigated rice was organized in Kochila-Nuagaon village of Chowdwar block, Cuttack district on 29 Apr 2009. More than 100 farmers participated. This activity was funded by the ADB-IRRI-ICAR collaborative project "Development and Dissemination of Wa-

Dr K.S. Rao (below right) speaks on water-saving technologies at the farmer training-cum-interaction meeting in Kochila-Nuagaon village.

CRRI, Cuttack

प्रशिक्षण कार्यक्रम

सी आर आर आई, कटक

कटक जिले के चौद्वार प्रखंड के कोचिला-नुआगांव में 'सिंचित चावल में जल बचत प्रौद्योगिकियां विषय पर किसान-प्रशिक्षण-सह-विचार-विनिमय का एक बैठक का आयोजन २९ जून २००९ को किया गया। इसमें १०० से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के लिए 'दक्षिण एशिया में जल बचत प्रौद्योगिकियों का विकास एवं प्रसार' नामक एडबी-

ter-saving Rice Technologies in South Asia."

The project also held a training programme on water-saving technologies at village Samian, Badchana block of Jajpur district on 29 May 2009 that was attended by 129 farmers.

CRRI, Cuttack

In village Samian farmers listen to Dr O.N. Singh who imparted a training on water-saving technologies.

KVK, Santhapur

Conducted a total of four training programmes on "Entrepreneurship Development of Farmwomen," "Farm Implements," "Scientific Method of Food Preservation" and "Integrated Pest Management in Rice" for a total of 175 farmers/farmwomen/rural youths of KVK adopted villages.

Conducted five sponsored training programmes organized by the Department of Horticulture, Cuttack for 190 farmers and farmwomen.❄

P.K. Mallick

The KVK, Santhapur conducted training programmes sponsored by the Department of Horticulture.

आईआरआरआई-आई सी ए आर सहयोगात्मक परियोजना द्वारा निधि प्रदान की गई। जाजपुर जिले के बड़चणा प्रखंड के समियां गांव में २९ मई २००९ को जल बचत प्रौद्योगिकियां विषय पर इस परियोजना द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें १२९ किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर द्वारा अपनाए गए गांवों के १७५ किसानों/महिला किसानों/ग्रामीण युवकों के लिए 'महिला किसानों के ठेकेदारी विकास', 'प्रक्षेत्र उपकरण', 'वैज्ञानिक ढंग से खाद्य संरक्षण' तथा 'चावल में समेकित नाशकजीव प्रबंधन' विषय पर चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र ने १९० किसानों एवं महिला किसानों के लिए पांच प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रायोजन किया जिसका आयोजन बागवानी विभाग, कटक द्वारा किया गया था।❄

TV Talk

Dr Jyoti Nayak delivered a talk in the Nari Mahal programme over the Doordarshan on "Importance of Fruit Juice and Preparation of different Squash from Seasonal Fruits" on 12 Apr 2009.❄

दूरदर्शन वार्ता

डॉ. ज्योति नायक ने १२ अप्रैल २००९ को 'फल रस का महत्व तथा मौसमी फलों से विभिन्न शरबत की तैयारी' के बारे में दूरदर्शन के नारी महल कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया।❄

Symposia/Seminars/Conferences/Workshop/Trainings Attended

Dr S.R. Dhua attended the Annual Group Meeting of NSP (Crops) at TNAU, Coimbatore from 2 to 4 Apr 2009.

Dr T.K. Adhya attended the NAIP Annual Meeting at IVRI, Bareilly from 14 to 15 Apr 2009.

Dr P. Samal attended the training workshop on 'Date Management for Household Surveys' under the IRRI collaborative project on 'Stress-tolerant Rice for Poor Farmers in Africa and South Asia' at OUAT, Bhubaneswar from 14 to 16 Apr 2009.

Dr T.K. Adhya attended the INSA Sectional Committee Meeting at New Delhi from 28 to 30 Apr 2009.

Dr K.S. Rao attended the Policy Dialogue Workshop on SRI held at ANGRAU, Hyderabad on 4 May 2009.

Drs G.J.N. Rao, K.S. Rao, S.G. Sharma, S.R. Dhua, R.N. Rao, O.N. Singh, J.N Reddy, S.K. Pradhan, R.K.

संगोष्ठी/परिसंवाद

डॉ.एस.आर. धुआ ने २ से ४ अप्रैल २००९ के दौरान तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटुर में राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) के वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. अध्या ने ने १४ से १५ अप्रैल २००९ के दौरान आईवीआरआई, बरेली में राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेष परियोजना की राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया।

डॉ.पी. सामल ने १४ से १६ अप्रैल २००९ के दौरान ओ यू ए टी, भुवनेश्वर में 'अफ्रीका तथा दक्षिण एशिया के गरीब किसानों के लिए दबाव सहिष्णु चावल' नामक आई आर आर आई सहयोगत्माक परियोजना के अंतर्गत 'घरेलू सर्वेक्षण के लिए तारीख प्रबंधन' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.टी.के. अध्या ने २८ से ३० अप्रैल २००९ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अनुभागीय समिति वैठक में भाग लिया।

डॉ.के.एस. राव ने ४ मई २००९ को ए एन जी आर ए यू, हैदराबाद में एस आर आई पर आयोजित नीति संवाद कार्यशाला में भाग लिया।

Sarkar, Padmini Swain, K.M. Das, Mayabini Jena, Sanjukta Das and Shri R.C. Dani attended the 44th All-India Annual Rice Group Meeting at DRR, Hyderabad from 9 to 12 May 2009. Dr T.K. Adhya attended it from 10 to 12 May 2009.

Dr Sanjoy Saha delivered a talk on "Agro-techniques for Sustaining Productivity of Wet Direct-sown Summer rice in Flood-prone Lowlands" as Invited Guest Speaker in the National Symposium on Agriculture in the Paradigm of Intergenerational Equity by Crop and Weed Science Society, West Bengal on 23 May 2009.

Dr T.K. Adhya attended the NAAS General Body Meeting and Foundation Day programme at NASC, New Delhi from 4 to 5 Jun 2009.

Dr Arun Pandit attended the Summer School on "Entrepreneurship Development under Sustainable Farming System" at the ICAR Research Complex for NEH Region, Sikkim Centre, Tadong, Gangtok from 25 May to 14 Jun 2009. Dr G.A.K. Kumar conducted sessions on Risk taking behaviour, TAT on entrepreneurial qualities and Who am I during the Summer School.

Dr G.A.K. Kumar attended the launch workshop of NAIP project on "Development and Maintenance of Rice Knowledge Management Portal" at DRR, Hyderabad from 16 to 17 Jun 2009.

Drs T.K. Adhya and P. Mishra attended a meeting on "Improving the Milling Quality of Summer Rice in Chhattisgarh" at IGKVV, Raipur on 19 Jun 2009.

Dr A.K. Shukla attended the council meeting of the Indian Society of Soil Science as a representative of east zone, at IARI, New Delhi, from 19 to 20 Jun 2009.

Dr T.K. Adhya attended the 9th Agricultural Science Congress at the University of Agricultural Sciences and Technology, Sher-e-Kashmir, Srinagar from 22–24 Jun 2009.

Dr T.K. Adhya attended the 53rd meeting of the Central Sub-Committee on Crop Standards, Notification and Release of Varieties at Krishi Bhavan, New Delhi on 26 Jun 2009.❄

डॉ.जी.जे.एन. राव, डॉ. के.एस. राव, डॉ.एस.जी. शर्मा, डॉ.एस.आर. धुआ, डॉ.आर.एन. राव, डॉ.ओ.एन. सिंह, डॉ.जे.एन. रेड्डी, डॉ.एस.के. प्रधान, डॉ.आर.के. सरकार, डॉ.पी. स्वाई तथा डॉ.एस. दास डॉ.के.एम. दास, डॉ.मायाबिनी जेना, श्री आर.सी. दानी ने ९ से १२ मई २००९ के दौरान डीआरआर, हैदराबाद में आयोजित ४४वीं वार्षिक चावल समूह बैठक में भाग लिया। डॉ.टी.के. अध्या ने उक्त बैठक में १० से १२ मई २००९ में भाग लिया।

डा. संजय सहा ने २३ मई २००९ को पश्चिम बंगाल के फसल एवं खरपतवार विज्ञान संघ द्वारा अंतरा उत्पादन औचित्य के उदाहरण में कृषि पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में आमंत्रित अतिथि व्याख्याता के रूप में 'बाढ़-प्रवण निचली भूमियों में आद्र सीधी-बुआई ग्रीष्म चावल के टिकाऊ उत्पादकता के लिए कृषि -तकनीकियां' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.टी.के. अध्या ने ४ से ५ जून २००९ के दौरान एन ए एस सी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के साधारण बैठक तथा स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. अरुण पंडित ने २५ मई से १४ जून २००९ के दौरान आई सी ए आर रिसर्च कांप्लैक्स फॉर एन ई एच रिजन, सिक्किम केंद्र, टाडोंग, गैंगटोक में 'टिकाऊ खेती प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारी विकास' विषय पर आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल में भाग लिया। डॉ.जी.ए.के. कुमार ने जोखिम ग्रहण आचरण, ठेकेदारी गुणों पर टी ए टी तथा मैं कौन हूं सत्रों पर ग्रीष्मकालीन स्कूल के दौरान कार्यक्रमों का आयोजन किया।

डॉ. जी.ए.के. कुमार ने १६ से १७ जून २००९ के दौरान चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदाराबाद में 'चावल ज्ञान प्रबंधन पटल का विकास एवं अनुरक्षण' विषय पर आयोजित एन ए आई पी परियोजना के उद्घाटन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. टी.के. अध्या तथा डॉ.पी. मिश्र ने १९ जून २००९ को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 'छत्तीसगढ़ में ग्रीष्म चावल की कुटाई गुणता में सुधार' विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ.ए.के.शुक्ला ने १९ से २० जून २००९ के दौरान आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय मृदाविज्ञान संघ की परिषद बैठक में पूर्व क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।

डॉ.टी.के. अध्या ने २२ से २४ जून २००९ के दौरान शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित ९वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस बैठक में भाग लिया।

डॉ. टी.के. अध्या ने २६ जून २००९ को कृषि भवन में केंद्रीय किस्म विमोचन समिति की ५३वीं बैठक में भाग लिया।❄

Institute Seminars

DR C.D. Mishra gave a talk on "Current Status of Major Rice Nematodes and their Management" on 3 Apr 2009.

Shri B.C. Marandi spoke on "Conservation and Evaluation of Genetic Resources in Rice" on 17 Apr 2009.

Dr Bijoya Bhattarcharjee spoke on "Recent Advances in Engineering the Salt- tolerance Crop Plants" on 27 Apr 2009.

संस्थान सेमिनार

डॉ.सी.डी. मिश्र ने ३ अप्रैल २००९ को 'प्रमुख चावल सूत्रकृमियों की वर्तमान स्थिति तथा उनका प्रबंधन' विषय पर अपना एक व्याख्यान दिया।

श्री बी.सी.मरांडी ने १७ अप्रैल २००९ को 'चावल में आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण एवं मूल्यांकन' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. विजया भट्टाचार्जी ने २७ अप्रैल २००९ को 'फसल पौधों में लवण सहिष्णुता के हाल की प्रगतियां'विषय पर एक व्याख्यान दिया।

Dr B.B. Panda on "Crop Growth Simulation for Optimization of Management Decision" on 8 May 2009.

Dr L. Bose on "Problems and Prospects of Wide Hybridization" on 15 May 2009.

Dr P.C. Mohapatra on "Multi-crop System in Rainfed Areas through Rainwater Management" on 22 May 2009.

Dr S.C. Sahu on "Fine Mapping of the Gall Midge Resistant Gene Gm 4" on 5 Jun 2009.

Dr S.S.C. Pattnaik on "Breeding for Shallow Low-lands" on 12 Jun 2009.

Dr S.G. Sharma on "Speciality Rice Research at CRRI" on 19 Jun 2009.❄

Deputation

DRS T.K. Adhya, Director, CRRI, P.K. Sinha, Principal Scientist and OIC, CRRI-RRS, Hazaribag, M. Variar, Principal Scientist, CRRI-RRS, Hazaribag and D.P. Singh, Principal Scientist, CRRI, Cuttack were deputed to attend the 8th Annual Meeting of the CURE Steering Committee at Hanoi, Vietnam from 27 to 29 May 2009.❄

Appointments

DR Neeta Dwivedi as Senior Scientist in CRRI, Cuttack on 29 Apr 2009.

Dr N. Bhakta, Scientist (SS) took over as the Acting OIC of CRRI-RRS, Gerua on 26 May 2009.

Dr S.K. Dash as Senior Scientist in CRRI, Cuttack on 4 Jun 2009.

Dr Srikanta Lenka as Senior Scientist in CRRI -RRS, Gerua, Assam on 8 Jun 2009.

Dr Rahul Tripathi as Scientist CRRI, Cuttack on 20 Jun 2009.❄

Promotions

SHRI R.R. Dash, T (7-8) was promoted as T-9 w.e.f. 1 Jan 2008.

Shri Kusha Panda, T (7-8) was promoted as T-9 w.e.f. 1 Jan 2008.❄

Transfers

SHRI Dillip Kumar Dash, AAO was transferred from CRRI, Cuttack to CRRI-RRS, Hazaribag on 30 Apr 2009.

Dr S.K. Rautaray, Senior Scientist, CRRI-RRS Gerua was relieved on 19 May 2009 to enable him to join as Principal Scientist at WTCER, Bhubaneswar.❄

डॉ.बी.बी. पंडा ने ८ मई २००९ को 'प्रबंधन निर्णय की श्रेष्ठता के लिए फसल वृद्धि अनुरूपता' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एल. बोस ने १५ मई २००९ को 'व्यापक संकरीकरण की समस्याएं एवं आसार' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ.पी.सी. महापात्र ने २२ मई २००९ को 'वर्षाजल प्रबंधन द्वारा वर्षाश्रित क्षेत्रों में बहु-फसल प्रणाली' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.सी. साहु ने ५ जून २००९ को 'गालमिज प्रतिरोधी जीन जीएम४ का फाइन मैपिंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.एस.सी. पटनायक ने १२ जून २००९ को 'उथली नीची जमीनों के लिए प्रजनन' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.जी. शर्मा ने १९ जून २००९ को 'सी आर आर आई में विशिष्ट चावल अनुसंधान' विषय पर एक व्याख्यान दिया।❄

प्रतिनियुक्ति

डॉ.टी.के. अध्या, निदेशक, सी आर आर आई, डॉ.पी.के. सिन्हा, प्रधान वैज्ञानिक तथा प्रभारी, सी आर यू आर आर एस, हजारीबाग, डॉ.एम. वरियर, प्रधान वैज्ञानिक, सी आर यू आर आर एस, हजारीबाग तथा डॉ. डी.पी सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सी आर आर आई, कटक को २७ से २९ मई २००९ तक हानोई, वियतनाम में क्योर विषय-निर्वाचन समिति की ८वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।❄

नियुक्तियां

डॉ. नीता द्विवेदी ने वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में २९ अप्रैल २००९ से कार्यभार संभाला।

डॉ.एन. भक्त, वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान) ने २६ मई २००९ से गेरुआ उपकेंद्र का कार्यकारी प्रभारी अधिकारी का कार्यभार संभाला।

डॉ.एस.के. दास ने वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में ४ जून २००९ से कार्यभार संभाला।

डॉ. श्रीकांत जेना ने वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में ८ जून २००९ से सी आर आर आई के असम स्थित गेरुआ उपकेंद्र में कार्यभार संभाला।

डॉ. राहुल त्रिपाठी ने २० जून २००९ को वैज्ञानिक के रूप में कार्यभार सभाला।❄

पदोन्नति

श्री आर.आर. दाश, टी ७-८ को दिनांक १ जनवरी २००८ से टी-९ के पद में पदोन्नति मिली।

श्री कुश पंडा, टी ७-८ को दिनांक १ जनवरी २००८ से टी-९ के पद में पदोन्नति मिली।❄

स्थानांतरण

श्री दिलीप कुमार दाश, सहायक प्रशासनिक अधिकारी का सी आर आर आई कटक से दिनांक ३० अप्रैल २००९ को सी आर यू आर आर एस, हजारीबाग में स्थानातंरण हुआ।

डॉ.एस.के. राउतराय, वरिष्ठ वैज्ञानिक का आर आर एल आर आर एस, गेरुआ से १९ मई २००९ को प्रधान वैज्ञानिक के रूप में पूर्वांचल जल प्रौद्योगिकी केंद्र, भुवनेश्वर में स्थानांतरण हुआ।❄

B. Behera

Staff members bid farewell to Shri F.C. Das on 30 Apr 2009 (photo left), and
Shri P. Nayak and Shri Umakant Behera on 31 May 2009 (photo right) at CRRI, Cuttack.

Retirement

SHRI R. Kumar, T1-3 and Shri F.C. Das, SS Grade-IV retired on superannuation on 30 Apr 2009 at the CRRI, Cuttack.

Shri P. Nayak, T-5, Shri Umakant Behera, T-4 and Shri K.C. Sahoo, Assistant retired on superannuation on 31 May 2009 at the CRRI, Cuttack.

Shri P.C. Singh, T-5, Shri Gopinath Behera, T-4, Shri U.C. Das, S.S. Grade IV and Shri S.K. Pandey, S.S. Grade II retired on superannuation on 30 Jun 2009 at the CRRI, Cuttack.❄

B. Behera

Shri U.C. Das and Shri P.C. Singh get together for a farewell photograph with members of the staff of the CRRI, Cuttack on 30 Jun 2009.

सेवानिवृत्ति

श्री आर. कुमार, टी १-३ तथा श्री एफ.सी. दास एस एस ग्रेड-IV ३० अप्रैल २००९ को सी आर आर आई, कटक में अधिवर्षिता होने पर सेवानिवृत हुए।

श्री पी. नायक, टी-५ श्री उमाकांत बेहेरा, टी-४ तथा श्री के.सी. साहु, सहायक ३१ मई २००९ को सी आर आर आई, कटक में अधिवर्षिता होने पर सेवानिवृत्त हुए।

श्री पी.सी. सिंह, टी-५, श्री गोपीनाथ बेहेरा, टी-४, श्री यू.सी. दास, एस एस ग्रेड-IV, श्री एस.के. पांडे एस एस ग्रेड-II ३० जून २००९ को सी आर आर आई, कटक में अधिवर्षिता होने पर सेवानिवृत्त हुए।❄

Publications

ADHYA, T.K., Sharma, P.D., and Kumar, Gogoi, A., 2009. Mitigating greenhouse gas emission from agriculture. In Singh, S.N. (Editor), *Climate Change and Crops*, Springer Verlag, Berlin Heidelberg, pp. 329–344.

Mishra, S.K., and Das, Lipi, 2009. Impact of frontline demonstration on the knowledge and adoption level of farmers in rice-based farming system. *Oryza*, 46 (1): 71–74.

Saha, Sanjoy, 2009. On-farm evaluation of an improved rice variety and integrated weed management techniques for improving the productivity of deepwater rice. *Int. Rice Res. Notes* (lRRN) 34: 1–3.❄

Director: T.K. Adhya

Compilation: G.A.K. Kumar and Sandhya Rani Dalal

Hindi translation: G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Capital Business Service and Consultancy, Bhubaneswar (Orissa) 751 007. Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.